Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN(o): 2581-6241
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 6.471
Volume - 6, Issue - 1, January - 2023 Publication Date: 20/01/2023

DOIs:10.2018/SS/202301008 --:-- Research Paper / Article

शिक्षकों के आत्म -सक्षमता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

[1] कु. प्रीति सिंह, [2] डॉ. पद्मा अग्रवाल, [3] डॉ. (श्रीमती) सुमनलता सक्सेना

[1] शोधार्थी, शिक्षा संकाय, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई नगर, (छ.ग.) , भारत
[2] पूर्व प्राध्यापक, शिक्षा संकाय, मनसा शिक्षा महाविद्यालय, कुरूद, भिलाई, (छ.ग.), भारत
[3] पूर्व विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई नगर, (छ.ग.), भारत
Email – singhpriti131@yahoo.com, padmaagrawal771@gmail.com

सारांश : प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य उच्चतर माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आत्म-सक्षमता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव को ज्ञात करना है । अध्ययन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है । सोद्देश्य न्यादर्श विधि द्वारा दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा बारहवी में अध्यापन करने वाले 110 शिक्षकों एवं 550 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया है। शिक्षकों के आत्म-सक्षमता के मापन के लिए सूद एवं सेन द्वारा निर्मित शिक्षक आत्म-सक्षमता मापनी (2017) का प्रयोग किया गया है एवं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को पूर्व कक्षा में प्राप्त प्राप्तांक के आधार पर ज्ञात किया गया है । प्राप्त प्रदत्तों का एक दिश प्रसरण विश्लेषण से सांख्यिकीय विश्लेषण करने पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि शिक्षको की आत्म-सक्षमता से सार्थक स्तर पर प्रभावित होती है ।

मुख्य शब्द : शिक्षक, आत्म-सक्षमता, विद्यार्थी, शैक्षिक उपलब्धि, उच्च माध्यमिक स्तर ।

1. प्रस्तावना :

शिक्षक अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास में सार्थक भूमिका निभा सकते है। शिक्षकों को अपनी आत्म-सक्षमता का ज्ञान होना आवश्यक है, जिससे कि वे अपनी क्षमता का उपयोग अध्यापन कार्य में आने वाली समस्याओं का समाधान करने में कर सकते है। छात्र का अवधान नवीन चीज पर सीखने के लिए केन्द्रित करना, विषय को रूचिकर बनाना, शिक्षण अधिगम सामग्री की व्यवस्था करना, कक्षा वातावरण को अधिगम के लिए उपयुक्त बनाना, आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करना, विद्यालय प्रबंधन से समायोजन एवं बालकों के सीखने की इच्छाशक्ति के दृढ़ीकरण में अध्यापक का प्रयत्नशील रहना महत्वपूर्ण है जिसमे शिक्षकों की आत्म-सक्षमता का महत्वपूर्ण योगदान होता है। **बैण्डुरा** ने आत्म-सक्षमता शब्द को प्रयोग किया है । आत्म –सक्षमता की अवधारणा बैण्डुरा के सामाजिक अधिगम सिद्धांत पर आधारित है। बैण्डुरा के अनुसार आत्म-सक्षमता से तात्पर्य एक ऐसे आत्म - प्रत्यक्षण से होता है जिसमें व्यक्ति यह अनुमान लगाता है कि वह किसी दी हुई परिस्थिति में कितने प्रभावकारी ढंग से कार्य कर सकता है । बैण्डुरा (1977) ने आत्म-सक्षमता को लोगों को अपनी क्षमताओं में अपने स्वंय के कार्यो द्वारा वांछित प्रभाव उत्पन्न करने के विश्वास के रूप में परिभाषित किया है।

मोजावजी अहमद एवं तमीज मरजीह (2012) ने छात्रो के उपलब्धि पर शिक्षक आत्म -सक्षमता के प्रभाव का अध्ययन कर निष्कर्ष प्राप्त किया कि शिक्षक आत्म- सक्षमता छात्रो की प्रेरणा और उपलब्धि पर सकरात्मक प्रभाव डालती है। **खान (2012)** ने माध्यमिक स्तर पर शिक्षक की आत्म-सक्षमता और छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध पर अध्ययन किया । निष्कर्ष निकाला कि गणित और अंग्रेजी दोनो विषयों में शिक्षक की आत्म-सक्षमता और छात्र की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक संबंध है। **हवांग (2015)** ने आत्म -सक्षमता और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध - एक 5 साल का पैनल विश्लेषण किया ।अध्ययन से ज्ञात हुआ कि आत्म - सक्षमता, विश्वास और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य पारस्परिक संबंध है। **शहजाद एवं सजिदा (2017)** ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षक आत्म–सक्षमता के प्रभाव का अध्ययन किया । निष्कर्ष में पाया गया कि शिक्षक आत्म –सक्षमता और छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य एक सार्थक सहसंबंध है। **स्वर्णलता (2019)** ने शिक्षक आत्म –सक्षमता का माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन कर कि छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षकआत्म-सक्षमता का सार्थक सकरात्मक प्रभाव है ।

2. अध्ययन का उद्देश्य :

उच्चतर माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आत्म-सक्षमता का विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव को ज्ञात करना

समस्या कथन - उच्चतर माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की आत्म-सक्षमता का विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन ।

परिकल्पना -

H_1 -उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि शिक्षकों की आत्म-सक्षमता से सार्थक स्तर पर प्रभावित होगी ।

H_2 -शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि शिक्षकों की आत्म - सक्षमता से सार्थक स्तर पर प्रभावित होगी ।

H_3 -ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि शिक्षकों की आत्म - सक्षमता से सार्थक स्तर पर प्रभावित होगी।

परिसीमाएँ -

- प्रस्तुत अध्ययन उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के आत्म-सक्षमता के अध्ययन तक सीमित है।
- प्रस्तुत अध्ययन सूद एवं सेन द्वारा निर्मित शिक्षक आत्म-सक्षमता मापनी के अध्ययन तक सीमित है।
- प्रस्तुत अध्ययन दुर्ग जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययरत विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलबिध के अध्ययन तक सीमित है।

3. शोध विधि : प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षकों के आत्म-सक्षमता का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव को ज्ञात करने के लिए सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है ।

शोध प्रविधि –

न्यादर्श - दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा बारहवी में अध्यापन करने वाले 110 शिक्षकों का चयन सोद्देश्य न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है ।कक्षा बारहवीं में अध्यापन करने वाले प्रत्येक शिक्षकों के पांच विद्यार्थियों का चयन सोद्देश्य न्यादर्श विधि द्वारा करके 550 विद्यार्थियों का चयन न्यादर्श के रूप में अध्ययन हेतु किया गया है।

शोध उपकरण –

प्रस्तुत शोध में शिक्षकों के आत्म-सक्षमता के मापन के लिए डा. विशाल सूद एवं सपना सेन द्वारा निर्मित शिक्षक आत्म-सक्षमता मापनी (2017) का प्रयोग किया गया है । इस मापनी का मुख्य उद्देश्य माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के आत्म-सक्षमता के स्तर को मापना है।

अध्ययन के चर –

अध्ययन में उच्च आत्म-सक्षमता, मध्यम आत्म-सक्षमता, निम्न आत्म-सक्षमता स्वतंत्र चर है एवं विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि परतंत्र चर है ।

सांख्यिकीय विश्लेषण - प्रस्तुत अध्ययन में अन्तःक्रियात्मक प्रभाव ज्ञात करने के लिए एक-दिश प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है ।

सांख्यिकीय विश्लेषण एवं परिणाम -

परिकल्पना क्रमांक H_1 - उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि शिक्षकों की आत्म - सक्षमता से सार्थक स्तर पर प्रभावित होगी ।

उपर्युक्त परिकल्पना के सत्यापन के लिये आत्म - सक्षमता मापनी के तीनों वर्गीकरण के आधार पर शिक्षकों द्वारा पढ़ाये गये विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का आंकलन किया गया । इस हेतु एक दिश प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है ।

तालिका क्रमांक- 1

शिक्षकों की विभिन्न आत्म - सक्षमता की श्रेणियों के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के सांख्यिकीय मान

शिक्षकों का समूह	शैक्षिक उपलब्धि			
	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि
उच्च आत्म - सक्षमता स्तर	315	67.76	10.48	0.59
मध्यम आत्म - सक्षमता स्तर	155	64.53	10.60	0.85
निम्न आत्म - सक्षमता स्तर	80	58.30	07.50	0.83

तालिका क्रमांक - 1.01

एक दिश प्रसरण विश्लेषण सारांश

प्रसरण स्त्रोत	स्वतंत्रता केअंश	वर्गों का योग	मध्यमान वर्ग	एफ- अनुपात
Between Groups (समूहो के मध्य)	2	5896.813	2498.40	28.6**
Within Group (आंतरिक समूहों के मध्य)	547	56318.196	102.95	
Total (कुल)	549	62215.009		
*=.05सार्थकता स्तर **=.01सार्थकता स्तर NS=सार्थक नही				
F (2, 547) = 3.01 at .05 level, 4.65 at 0.1 level, ** Significant at .01 level				

उपरोक्त तालिका में गणना से प्राप्त F = 28.6 के अनुसार विभिन्न आत्म- सक्षमता स्तर के शिक्षकों के मार्गदर्शन में शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में .01 के सार्थकता स्तर पर भिन्नता है जो कि F(2, 547) = 4.65 at .01 level से भी सिद्ध होती है ।

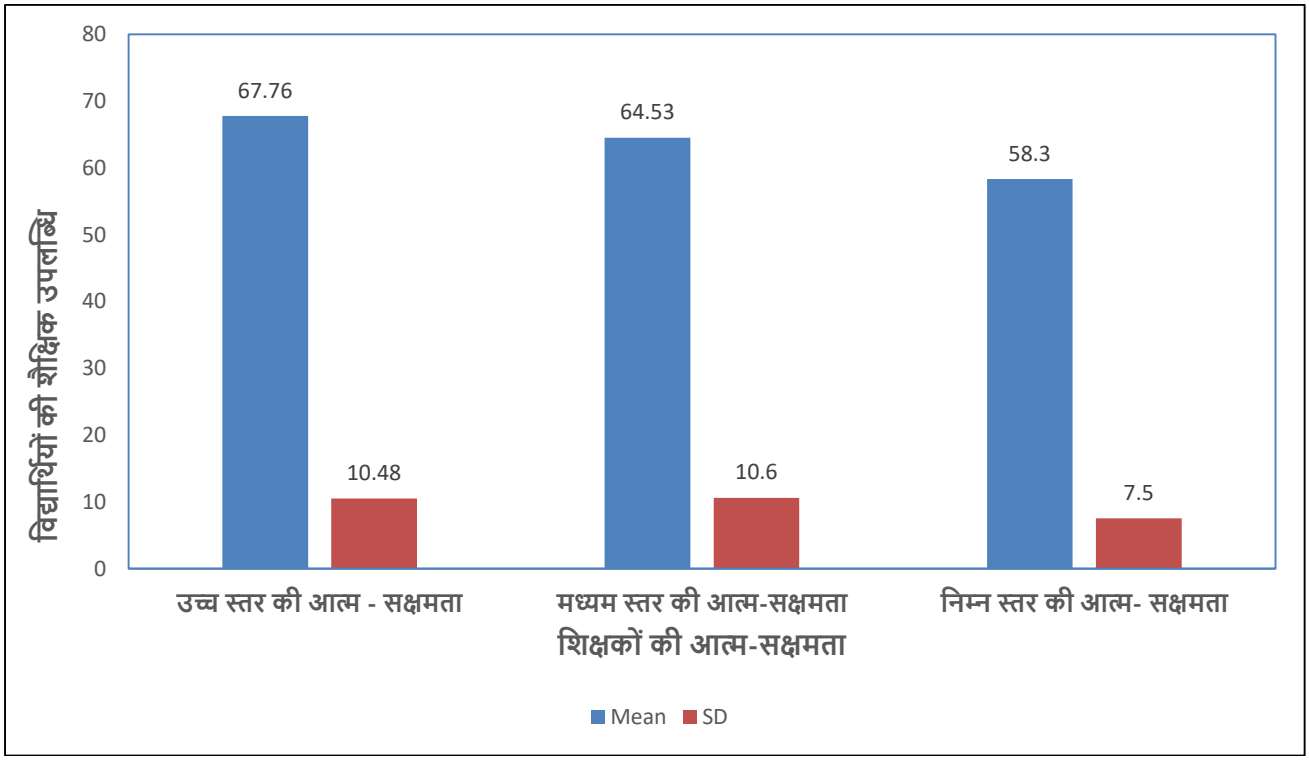

तालिका क्रमांक 1.01 से प्राप्त परिणामों के अनुसार समग्र रूप से शिक्षकों की विभिन्न आत्म-सक्षमता की श्रेणियों तथा उसके अंतर्गत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में समग्र रूप से सार्थक भिन्नता है अत: इस परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना क्रमांक H_1 स्वीकृत होती है ।

परिकल्पना क्रमांक H_2 - शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि शिक्षकों की आत्म - सक्षमता से सार्थक स्तर पर प्रभावित होगी ।

आत्म-सक्षमता मापनी के तीनों वर्गीकरण के आधार पर शहरी क्षेत्र के विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा पढ़ाये गये विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का आंकलन किया गया। इस हेतु एक दिश प्रसरण विश्लेषण का उपयोग किया गया है ।

तालिका क्रमांक - 2

शहरी क्षेत्र के शिक्षकों की विभिन्न आत्म - सक्षमता की श्रेणियों के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के सांख्यिकीय मान

शिक्षकों का समूह	शैक्षिक उपलब्धि			
	प्रदत्तों कीसंख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मध्यमान कीप्रमाणिक त्रुटि
उच्च आत्म - सक्षमता स्तर	160	69.64	10.23	0.80
मध्यम आत्म - सक्षमता स्तर	85	65.73	10.27	1.11
निम्न आत्म - सक्षमता स्तर	30	59.32	7.14	1.30

तालिका क्रमांक 2.01
एक दिश प्रसरण विश्लेषण सारांश

प्रसरण स्त्रोत	स्वतंत्रता केअंश	वर्गों का योग	मध्यमान वर्ग	एफ- अनुपात
Between Groups (समूहो के मध्य)	2	2999.64	1499.821	15.11**
Within Group (आंतरिक समूहों के मध्य)	272	26989.97	99.2278	
Total (कुल)	274	29989.61		
*=.05सार्थकता स्तर **=.01सार्थकता स्तर NS=सार्थक नही				

F (2, 272) = 3.03 at .05 level, 4.68 at 0.1 level, ** Significant at .01 level

उपरोक्त तालिका में गणना से प्राप्त F = 15.11 के अनुसार विभिन्न आत्म - सक्षमता स्तर के शहरी क्षेत्र के शिक्षकों के मार्गदर्शन में शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में .01 के सार्थकता स्तर पर भिन्नता है जो कि F(2, 272) = 4.68 at .01 level से भी सिद्ध होती है।

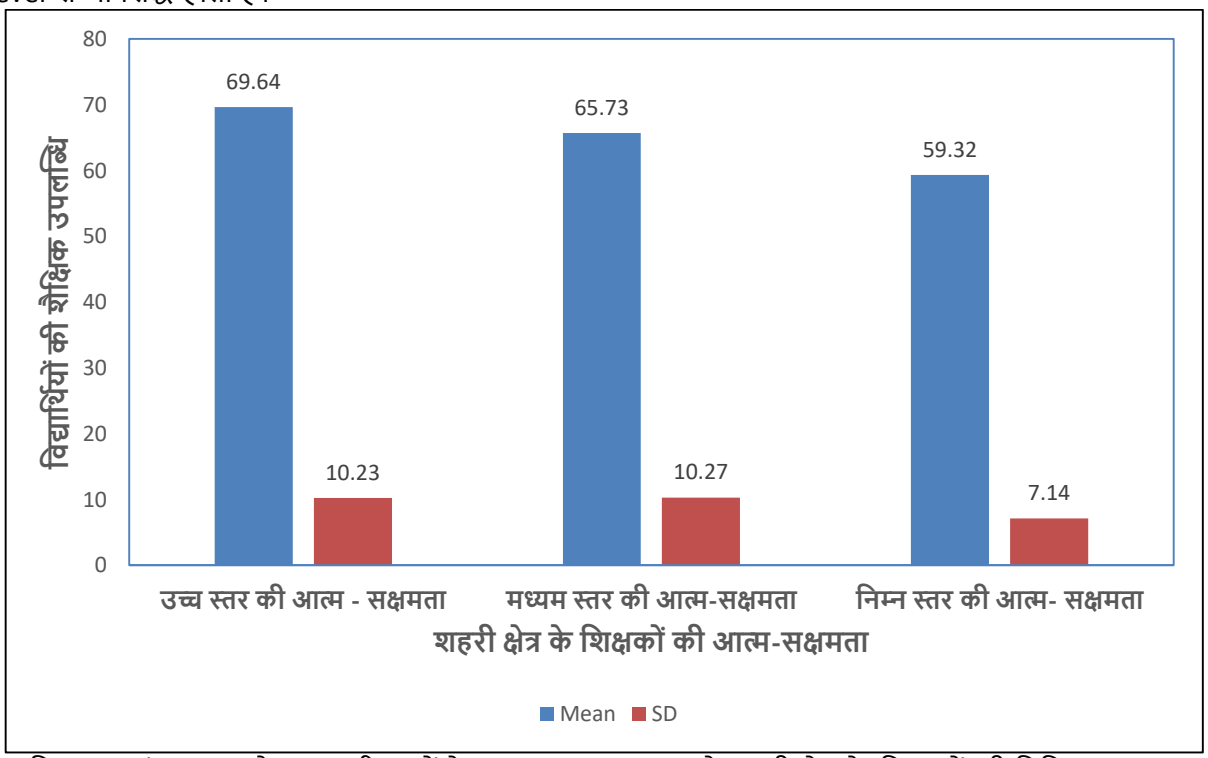

तालिका क्रमांक 2.01 से प्राप्त परिणामों के अनुसार समग्र रूप से शहरी क्षेत्र के शिक्षकों की विभिन्न आत्म-सक्षमता की श्रेणियों तथा उसके अंतर्गत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में समग्र रूप से सार्थक भिन्नता है अत: इस परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना क्रमांक H_2 स्वीकृत होती है ।

परिकल्पना क्रमांक H_3 - ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि शिक्षकों की आत्म - सक्षमता से सार्थक स्तर पर प्रभावित होगी ।

आत्म - सक्षमता मापनी के तीनों वर्गीकरण के आधार पर ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा पढ़ाये गये विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का आंकलन किया गया । इस हेतु एक दिश प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है ।

तालिका क्रमांक - 3
ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों की विभिन्न आत्म - सक्षमता की श्रेणियों के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के सांख्यिकीय मान

ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों का समूह	शैक्षिक उपलब्धि			
	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मध्यमान की प्रमाणिक त्रुटि
उच्च आत्म - सक्षमता स्तर	155	65.81	10.42	0.84
मध्यम आत्म - सक्षमता स्तर	70	63.06	10.88	1.30
निम्न आत्म - सक्षमता स्तर	50	57.69	07.72	1.09

तालिका क्रमांक 3.01
एक दिश प्रसरण विश्लेषण सारांश

प्रसरण स्त्रोत	स्वतंत्रता केअंश	वर्गों का योग	मध्यमान वर्ग	एफ- अनुपात
Between Groups (समूहो के मध्य)	2	2522.117	1261.059	12.31**
Within Group (आंतरिक समूहों के मध्य)	272	27849.36	102.3873	
Total (कुल)	274	30371.48		
*=.05 सार्थकता स्तर **=.01 सार्थकता स्तर NS=सार्थक नही				

F (2, 272) = 3.03 at .05 level, 4.68 at 0.1 level, **Significant at .01 level

उपरोक्त तालिका में गणना से प्राप्त F= 12.31 के अनुसार विभिन्न आत्म -सक्षमता स्तर के ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों के मार्गदर्शन में शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में .01 के सार्थकता स्तर पर भिन्नता है जो कि F(2, 272) =4.68 at .01 level से भी सिद्ध होती है।

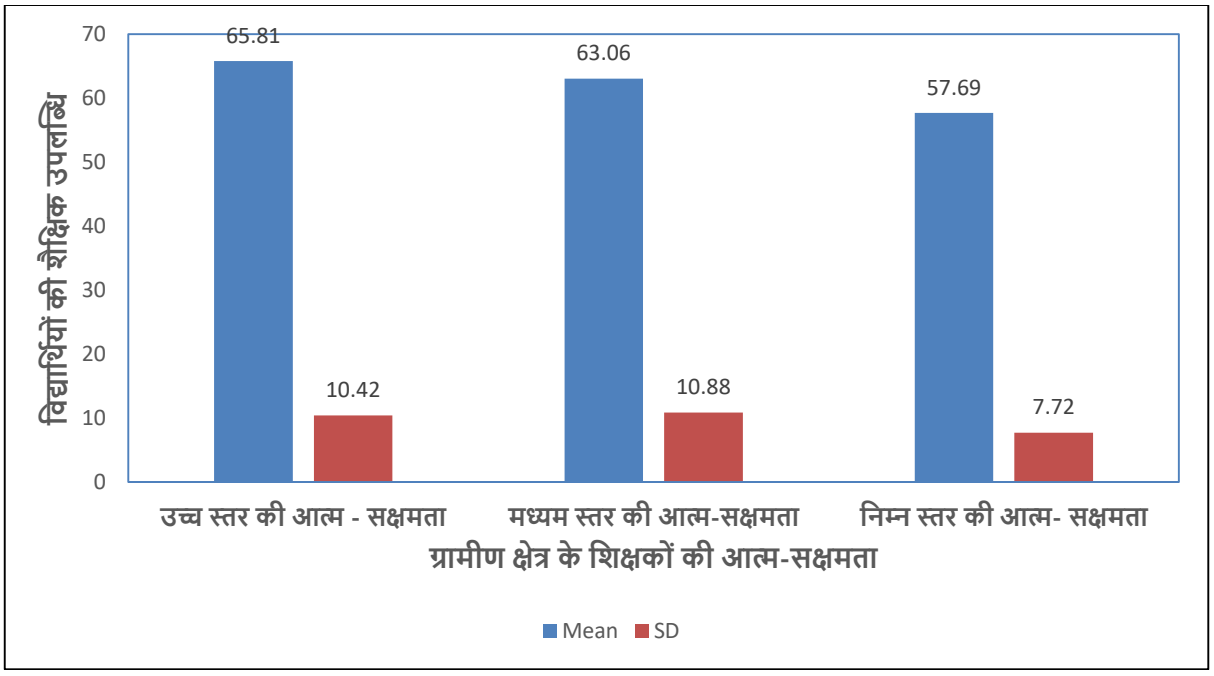

तालिका क्रमांक 3.01 से प्राप्त परिणामों के अनुसार समग्र रूप से ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों की विभिन्न आत्म-सक्षमता की श्रेणियों तथा उसके अंतर्गत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में समग्र रूप से सार्थक भिन्नता है अत: इस परिप्रेक्ष्य में परिकल्पना क्रमांक H_3 स्वीकृत होती है ।

4. निष्कर्ष :

सांख्यिकीय विश्लेषण से स्पष्ट है कि उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि शिक्षको की आत्म-सक्षमता से प्रभावित होती है । पूर्व मे हुए अध्ययन में खान (2012), Hwang (2015), शहजाद एवं सजिदा (2017), स्वर्णलता (2019) ने भी बताया है कि माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर शिक्षकआत्म –सक्षमता का सार्थक प्रभाव है ।

5. सुझाव :

शिक्षकों को अपनी आत्म-सक्षमता का प्रयोग करने के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध करना चाहिए जिससे वे अपनी प्रतिभा का उपयोग कर सकेगें । शिक्षकों को उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यो के लिए पुरूस्कृत करना चाहिए ।

संदर्भ ग्रंथ सूची: (References):

1. गैरेट,एच.ई. एण्ड वुडवर्थ,आर.ए.1984शिक्षा एवं मनोविज्ञान में सांख्यिकी के प्रयोग.कल्याणी पब्लिशर्स.नई दिल्ली, पृष्ठ 399-400.
2. मनोविज्ञान , कक्षा 12वी के लिए पाठ्य पुस्तक , एनसीआरटी प्रकाशन, पृष्ठ- 29. ncert.nic.in/textbook
3. शर्मा, आर.ए. (2008). शिक्षा अनुसंधान,आर लाल बुक डिपो,मेरठ, पृष्ठ 99-102, 150,151,156.
4. सिंह,ए.के. (2013). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ,मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली पृष्ठ - 232.
5. Hwang, M. H., Choi, H. C., Lee, A., Culver, J. D., & Hutchison, B. (2016). The Relationship Between Self-Efficacy and Academic Achievement: A 5-Year Panel Analysis. *Asia-Pacific Education Researcher*, *25*(1), 89–98. https://doi.org/10.1007/s40299-015-0236-3
6. Khan, S.A. (2012). The Relationship between Teachers' Self-Efficacy and Students Academic Achievement at Secondary Level. *Language in India* ,12(10), 436-449.
7. Mojavezi, A., & Tamiz, M. P. (2012). The impact of teacher self-efficacy on the students' motivation and achievement. *Theory and Practice in Language Studies*, *2*(3), 483–491. https://doi.org/10.4304/tpls.2.3.483-491.
8. Shahzad, K. & Naureen ,S. (2017). Impact of Teacher Self-Efficacy on Secondary School Students' Academic Achievement . *Journal of Education and Educational Development,*4(1) , 48-72.
9. Swarnalatha, S. (2019). Influence of Parental Expectation on Academic Achievement of Secondary School Students. *The International Journal of Indian Psychology*, 7(3), 680-684. http://doi.org/10.25215/0703.073